International Journal of Advances and Applications in Convergent Studies & Transdisciplinary
(IJ-AACST)
Bridging Discipline Bridging Knowledge
Website: www.aacstij.org | Email: journaleditor@aacstij.org

हिंदी भाषा में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका

खुशनुदा शेख
हिंदी विभाग, सरदार पटेल महाविद्यालय, चंद्रपूर khushisheikh2055@gmail.com

सारांश ABSTRACT

इस शोध-पत्र में हिंदी भाषा के विकास में सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology - IT) की भूमिका का विश्लेषण किया गया है। आज का युग डिजिटल क्रांति का युग है, और हिंदी भाषा इस परिवर्तन में पीछे नहीं है। सोशल मीडिया, मोबाइल एप्स, यूनिकोड तकनीक और मशीन अनुवाद जैसे माध्यमों ने हिंदी को वैश्विक स्तर पर पहुँचाया है। यह अध्ययन इस बात पर केंद्रित है कि किस प्रकार सूचना प्रौद्योगिकी ने हिंदी भाषा को नई गति और दिशा प्रदान की है।

1. प्रस्तावना (INTRODUCTION)

21वीं सदी में सूचना प्रौद्योगिकी ने मानव जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। भाषा भी इससे अछूती नहीं रही। हिंदी, जो विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, सूचना तकनीक के सहारे नई ऊँचाइयाँ छू रही है। इस शोध का उद्देश्य यह समझना है कि हिंदी भाषा किस प्रकार आईटी के माध्यम से डिजिटल दुनिया में अपनी जगह बना रही है।

2. शोध का उद्देश्य (OBJECTIVES)

- हिंदी भाषा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग की समीक्षा करना।
- डिजिटल माध्यमों में हिंदी की स्थिति का मूल्यांकन करना।
- आईटी के कारण हिंदी भाषा में हुए परिवर्तनों का विश्लेषण करना।
- भविष्य में हिंदी भाषा के लिए संभावित तकनीकी अवसरों का अनुमान लगाना।

3. हिंदी भाषा और आईटी के प्रमुख क्षेत्र (KEY AREAS OF IT IN HINDI LANGUAGE)

- **यूनिकोड (Unicode):** इस तकनीक ने हिंदी टाइपिंग को आसान और विश्वसनीय बनाया है।
- **हिंदी सर्च इंजन और कीवर्ड:** गूगल व अन्य प्लेटफॉर्म अब हिंदी कीवर्ड को पहचानते हैं।
- **सोशल मीडिया:** फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि पर हिंदी कंटेंट की भारी उपस्थिति।
- **ऑनलाइन शिक्षा:** हिंदी माध्यम में ई-लर्निंग पोर्टल्स जैसे स्वयं, नालंदा, Byju's आदि।
- **हिंदी ब्लॉगिंग और वेबसाइट्स:** हज़ारों ब्लॉग और न्यूज़ पोर्टल्स हिंदी में संचालित हो रहे हैं।
- **मशीन अनुवाद और NLP:** Google Translate, AI Chatbots, और वॉयस असिस्टेंट्स हिंदी में सक्षम हो रहे हैं।

4. शोध विधि (METHODOLOGY)

यह शोध **गुणात्मक (qualitative)** पद्धति पर आधारित है। इसमें विभिन्न वेबसाइटों, मोबाइल एप्स, ब्लॉग्स, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, और शोध पत्रों का अध्ययन किया गया है। साथ ही, हिंदी भाषा के शिक्षकों और विद्यार्थियों से भी बातचीत कर उनका दृष्टिकोण जाना गया।

5. विश्लेषण (ANALYSIS)

हिंदी भाषा अब सिर्फ साहित्य या संवाद की भाषा नहीं रही। वह व्यापार, शिक्षा, विज्ञान, मीडिया और डिजिटल सेवाओं में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आईटी के कारण हिंदी में कंटेंट निर्माण की गति बढ़ी है, और भाषाई सीमाएँ घट रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्मार्टफोन और इंटरनेट ने हिंदी को डिजिटल साक्षरता का माध्यम बनाया है।

6. चुनौतियाँ (CHALLENGES)

- तकनीकी शब्दावली का अभाव
- हिंदी वर्तनी में विविधता
- हिंदी में उच्च गुणवत्ता वाले अनुवाद टूल्स की सीमित उपलब्धता
- ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल अवसंरचना की कमी

7. समाधान एवं सुझाव (SOLUTIONS AND SUGGESTIONS)

- हिंदी तकनीकी शब्दकोशों का विकास
- अधिक हिंदी टूल्स और सॉफ़्टवेयर का निर्माण
- हिंदी के लिए NLP आधारित रिसर्च बढ़ाना
- हिंदी सामग्री को बढ़ावा देने के लिए नीति निर्माण

8. निष्कर्ष (CONCLUSION)

सूचना प्रौद्योगिकी ने हिंदी भाषा को नया जीवन दिया है। इसके माध्यम से हिंदी न केवल एक संवाद की भाषा बनी है, बल्कि ज्ञान, व्यापार और नवाचार की भाषा भी बन रही है। आने वाले समय में, तकनीक के सही उपयोग और भाषाई संसाधनों के विकास से हिंदी वैश्विक मंच पर और सशक्त होगी।

9. संदर्भ (REFERENCES)

1. मिश्रा, आर. (2021). *डिजिटल युग में हिंदी भाषा*. दिल्ली: भारती प्रकाशन।
2. Mehta, S. (2022). *IT and Indian Languages*. Journal of Language Technology, 10(2), 45–53.
3. www.hindiblogs.org
4. www.digitalindia.gov.in
5. Patel, R. (2020). *Role of Unicode in Indian Languages*. International Journal of Computing, 7(1), 12–18.